

সাহিত্য-সংস্কৃতি বিবিধা

সাহিত্য-সংস্কৃতি বিবিধা

(প্রথম সংকলন)

ড° কবিতা গৌগে



প্রকাশন কোষ, মহিষশ্রী মহাবিদ্যালয়
(মহিলা অধ্যায়ন কেন্দ্র টি)

ড° কবিতা গৌগে

SAHITYA-SANSKRITI BIBIDHA : A collection of articles on Assamese literature and culture written by Dr. Kabitra Gogoi, Associate Professor, Dept. of Assamese, Moridhal College and published by Publication Cell on behalf of W. Study Cell, Moridhal College, Moridhal, Dhemaji-787057.

First Edition : January, 2020

Price : 250/-

ISBN : 978-93-84048-14-3

© মেরিকাব দাবা সর্বস্বত্ত্ব সংরক্ষিত।

প্রকাশক : প্রকাশন কোষ, মহিষশ্রী মহাবিদ্যালয়
(মহিলা অধ্যায়ন কেন্দ্র টি)
মহিষশ্রী, মেগালি-৭৮৭০৫৭

প্রথম প্রকাশ : জনুয়ারী, ২০২০

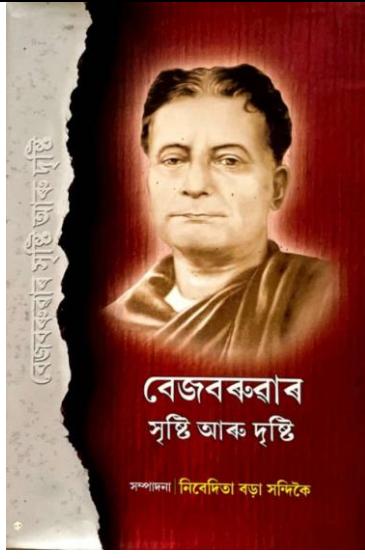
প্রক্ষেপ : উজ্জ্বল মৃৎ নিহিতীয়া

অবস্থা : ২৫০.০০ টাকা

মুদ্রণ -
মহাবিদ্যালয় কমিউনিকেশন সেকেন্ডেরি, মেগালি-৭৮৭০৫৭

সূচীপত্র

- মহাপূর্ব প্রকাশনের 'ত্বরণনা' : এক চৌপ্ত লিচুপ /১
- মানবিদের 'ভাষ্টি-ভাষালী' ভাষ্টি ব্রহ্মপুর /৮
- মধ্যাম্বৰ অসম নাট্য-কণ্ঠ আক ভাগোন বন বিয়াব /১৭
- ইতিহাসের প্রাতঃ বৈশাখিকা' জয়বৰ্দি /২৪
- অসমীয়া মেক-সাহিত্যত নারী-জীবন : ফকস-মোজনার বিশেষ উল্লিখন /৩০
- গোহাতিকবরাব অসম সাহিত্য সভার সভাপতির অভিভাবণ : এক চতুর্মুখীয়ান /৪০
- নাটকের অনুবাল আক অসমীয়া অনুবাল নাটক /৫১
- প্রদীপ মুখন্যাব নাট্যস্থান /৫৮
- কবিতাব অনুবাল আক অসমীয়া অনুবাল কবিতা /৬৭
- শিশু সাহিত্যিক বীৰেল পথে /৭১
- একাত মনু এবং অসম উপন্যাসত রাধ কামোটীয় সমাজ চীকান প্রতিক্রিয়া /১০১
- মানব প্রয়োগ মোহোমাই স্টোল হাতীব উত্তো মোহ হাতীব উপন্যাসত বাঙ্গলৰ প্রতিক্রিয়া /১১০
- উচ্চাকাঞ্চ শৰ্মাৰ 'ছিয়াছাতৰ মুটা পাৰ' উপন্যাসৰ নারী চৰিত /১২৪



বেজবৰঞ্চাৰ স্মৃতি আৰু দৃষ্টি

সম্পাদনা | নিবেদিতা বড়া সন্দীকৈ

BEZBAROOR SHRESTHARU DRISTI : A Collection of Articles on criticism of Subenrao Lakshmanrao Deshmukh, edited by Nivedita Bora Handique and Published by All Dhemaji District Students' Union, Dhemaji-781957 and printed at LC Spectrum, Gomohati-1.

First Edition : January 2021 | Price: 350/-

ISBN : "978-93-89196-43-6"

© সন্তোষ দেৱী বিল হার দ্বাৰা

প্ৰকাশক :	সন্তোষ দেৱী বিল হার দ্বাৰা
অসম অক্ষয় :	চান্দোলী, ২৫২
মূল্যায়ন :	বিলোপীয়া বাৰ সমিতিৰ
ক্ৰমিক :	বৰ্ণনা
বৰ্ণনা :	বৰ্ণনা
প্ৰকাশন পদ্ধতি :	প্ৰকাশক সন্তোষ দেৱী, শ্ৰীকৃষ্ণজিৰ কৰণ, ও "বৰ্ণনাৰ বাসনাগুৰু", দুৰ্দুৰেৰ কৰণ, স্বৰ্গৰ পৰ্যায়, সন্তোষ জুনোগুৰু, গোপনী দেৱী, বিলোপীয়া, কলাপুর দেৱী
ভৰ্তুল :	বিলোপীয়া দেৱী
মুদ্ৰণ :	গোপনী দেৱী
সংস্কৰণ :	সন্তোষ দেৱী
প্ৰকাশন পদ্ধতি :	সন্তোষ দেৱী, পুষ্পী দেৱী, দুৰ্দুৰেৰ কৰণিক, দেৱী গোপী, কলাপুৰ গোপনী, দেৱী কেৱল হাস্ত প্ৰক্ৰিয়া দৰিদ্ৰৰ কৰণ
পুত্ৰ :	সন্তোষ দেৱী, পুষ্পী দেৱী

সৃষ্টি পত্ৰ

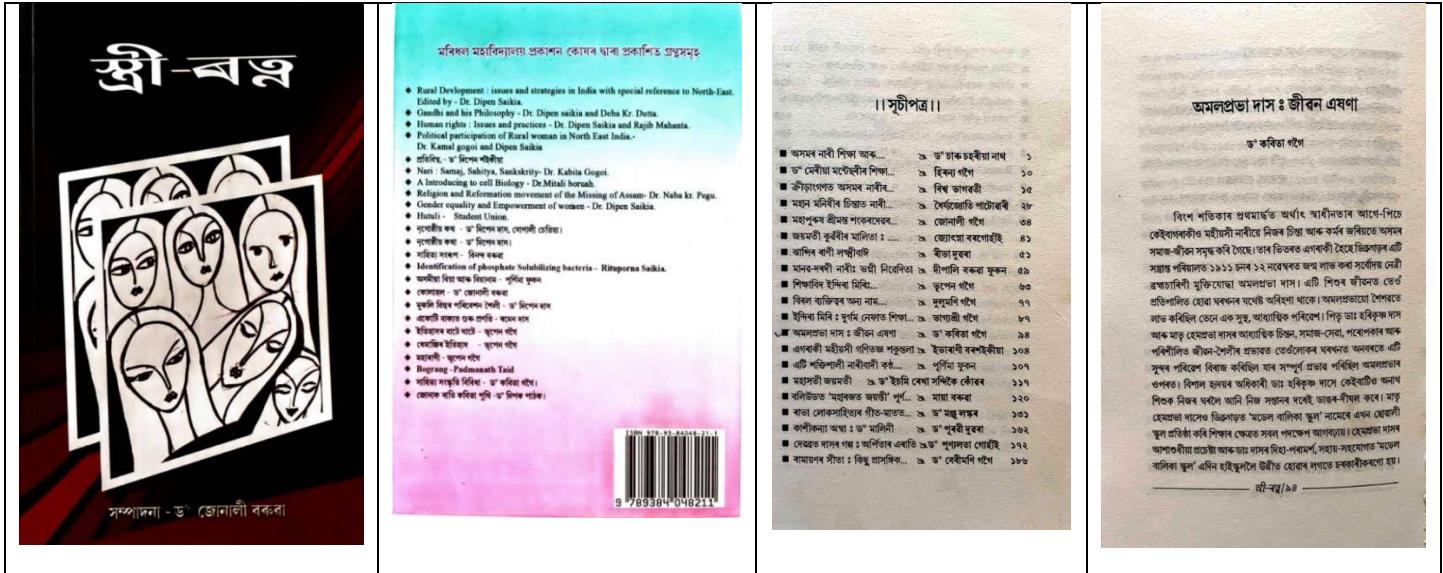
বেজবৰঞ্চাৰ কাৰ্যাবৃত্তি

- ✓ লক্ষণীয় বেজবৰঞ্চাৰ বৰিদলৰ এক কৰ্ত্তা ভিতৰ.../২১
 - ডা. কৰিদা পৰ্ণী
- বেজবৰঞ্চাৰৰ কাৰ্যাবৃত্তি.../২০
 - লিখ. বাৰ দাতা
- সহিতৰ বৰাদাৰী লক্ষণীয় বেজবৰঞ্চাৰ কাৰ্য প্ৰক্ৰিয়া.../২৪
 - লিখ. পৰ্ণী
- লক্ষণীয় বেজবৰঞ্চাৰৰ কাৰ্যীৰ : বৰিদলৰ আৰু কৰ্ত্তীৰ :
 - একটি কৰ্ত্তীৰ কাৰ্যাবৃত্তি.../২৫
 - কৰিদা সোমানামা
 - বেজবৰঞ্চাৰ সন্তোষ দেৱীৰ কাৰ্য.../২৫
 - সন্তোষ দেৱী

লক্ষণীয় বেজবৰঞ্চাৰ কাৰ্যতা
এক স্থীপ্ত বিচৰণ

• ডা. কৰিদা পৰ্ণী

উলিম্পুন পৰিবেশৰ প্ৰথমজৰুৰত এবজেতে সামুদ্রতাত্ত্বিক শাসন ব্যৱহাৰৰ প্ৰচণ্ড
অধিক অধিকার উন্নীতকৰণৰ পথে আৰম্ভণি - এই এক বাৰাবৰ্তীকৰণ
সমৰকি প্ৰয়োগপৰ্বতি কৰণ হিচাপে ই এক অধীনীত ভাবা-সাহিত্যৰ "পৰিবেশৰ
পৰিকল্পনা পথে তাৰিখিণো" পৰিবেশৰ আৰিতিৰ কাৰ্যবৰ্ষত পৰিবেশৰ মুকুল, হেৱাতৰ বৰ্ষা
অধ পৰিবেশৰ বৰ্ষা। প্ৰেৰণাবেকে অছোকনৰ্ম্মাৰ এক মোকাবীহৈ যে যোৱা অধীনীত
ভাবা-সাহিত্যৰ প্ৰযৱেশন অধিবি দুৰ্গা আৰু বিলোপীয়াল দুৰ্গা অধিবেষ্টো বৰ্ষাতৰ
উপৰি বাছি গোপী অংশ অৱেজ শক্তিৰ প্ৰযৱেশনেই প্ৰাণীল সম্প্ৰদায়ৰ বেজবৰঞ্চাৰ।
উলিম্পুন পাঠকৰ হিলোগাঁওৰ বেজবৰঞ্চাৰ লালচৰে তাৰ দুৰ্গা আৰম্ভণিৰামা, বেজবৰঞ্চাৰ
দেৱীৰ সমৰ্পিতে অৰ্পণকৰা ভৱ নিখা এবং কৰিদাৰ মোৰা ভালা কুবিলীয়া
হৰ্ষ মুকুল পথে ১৯৮৮ মুন এক মহৱেৰ কৰণত অধীনীত ভাবা-সাহিত্যৰ পৰিবেশৰ
পৰিকল্পনা অধীনীত ভাবা উত্তি সামীনী দুৰ্গা (ডা.ভা.উ.আ.)। আৰু মুপ্পৰকৃতি
১৯৯০ চতুৰ্থ দুৰ্গা আৰম্ভণৰ সম্প্ৰদায়ৰ সম্প্ৰদায়ৰ পালনৰ সন্তুষ্টকৰ্ত্তৰ অধীনীত
অধীনীত সাহিত্য অধীনীত পুষ্পী অৱেজী কোলেকশন। জোড়াকীৰণ সামুদ্রতাৰিক
পৰিবেশৰ সম্প্ৰদায়ৰ অৱিষ্টেৰ বেজবৰঞ্চাৰ লেখক চীজৰে ওৱৰ ঘটে



ଶ୍ରୀ-ବନ୍ଦ



সম্পাদনা - ড'র জোনালী বকচ

ମରିଧଳ ମହାବିଦ୍ୟାଲୟ ପ୍ରକାଶନ କୋମାର ଦ୍ୱାରା ପ୍ରକାଶିତ ଗ୍ରନ୍ଥମାତ୍ର

- Rural Development : issues and strategies in India with special reference to North-East.
Edited by - Dr. Dipen Saikia.
 - Gandhi and His Philosophy - Dr. Dipen Saikia and Debra K. Datta.
 - Human rights : issues and practices - Dr. Dipen Saikia and Rajib Mahanta.
 - Political Participation of Rural women in North East India - Dr. Kamal gopal and Dipen Saikia
 - सर्विका - योजना कीवान।
 - Nan Samaj, Sabhyata, Sankalpti Dr. Kabita Gogoi.
 - A introducing to cell Biology - Dr. Mitali borah.
 - Religion and Reformation movement of the Missing of Assam- Dr. Khu lal Prgo.
 - Gender equality and Empowerment of women - Dr. Dipen Saikia.
 - सामाजिक अध्ययन
• समाज का - योजना बनाए, लगातार चलाइ।
 - अपनी समाज - योजना बनाए।
 - Identification of phosphate Solubilizing bacteria - Rituparna Saikia.
 - प्राकृति द्वारा योजना - योजना बनाए
 - प्राकृति द्वारा योजना बनाए - योजना बनाए
 - अपनी समाज का योजना - योजना बनाए
 - विद्यार्थी द्वारा - योजना बनाए
 - सरकारी द्वारा - योजना बनाए
 - व्यापारी - योजना बनाए
 - Bograon - PadmaShri Taid
 - अपनी समाज द्वारा - योजना बनाए।
 - सेवा की योजना द्वारा - योजना बनाए।

ISBN 979-93-84048-21-

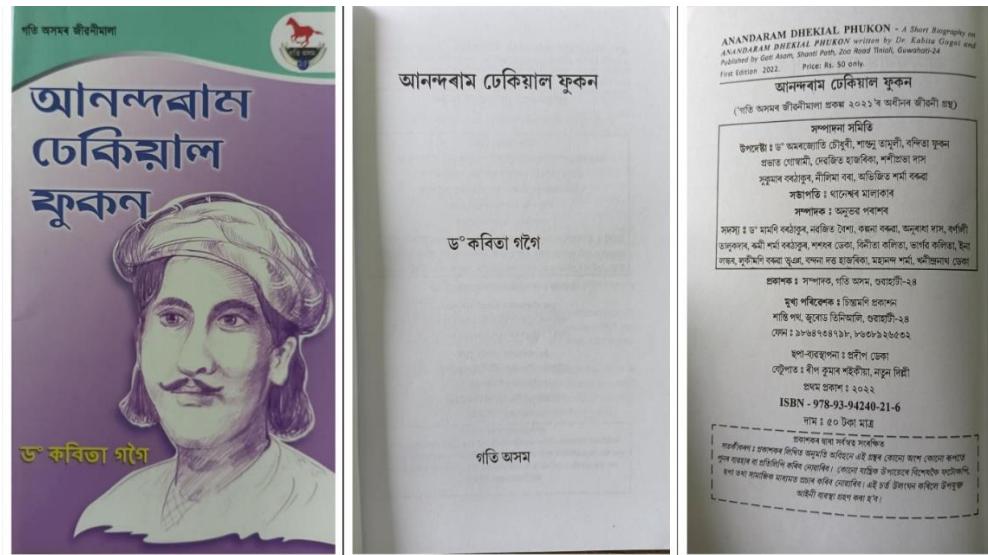
9 789384 048211

॥ সূচীপত্র ॥

- | | | | |
|----|-----------------------------------|----|------------------------|
| १ | परमाणु नारी नियम आदि— | ४ | ३ टक्के दूधीना नाम |
| २ | प्रेसिडेंसी परिवहन नियम— | ५ | विश्व रोपण |
| ३ | प्रोटोकॉल और अंतर्राष्ट्रीय नियम— | ६ | विश्व चालान |
| ४ | परमाणु नारी नियम नाम— | ७ | देवेलपमेंट परिवहन नियम |
| ५ | दूधीना दूधीन नाम विवरण— | ८ | जातीय गोपनी |
| ६ | अवृत्ति के विवरण मात्रात्वा— | ९ | जातीय गोपनी |
| ७ | परमाणु नारी नियम— | १० | जातीय गोपनी |
| ८ | परमाणु नारी नियम— | ११ | जीवान दूधीना |
| ९ | मानव-परमाणु नारी जीव नियमिता— | १२ | जीवान विकास व्यवस्था |
| १० | प्रिवेट एंटरप्रार्स नियम— | १३ | जूनून रोपण |
| ११ | विश्व राजिका नाम— | १४ | जूनून नियम |
| १२ | विश्व राजिका नाम विवरण— | १५ | जातीय गोपनी |
| १३ | विश्व राजिका नाम विवरण— | १६ | जातीय गोपनी |
| १४ | परमाणु नारी नियम नाम— | १७ | जूनून रोपण |
| १५ | परमाणु नारी नियम विवरण— | १८ | जूनून विकास व्यवस्था |
| १६ | जीवान विकास व्यवस्था नाम— | १९ | जूनून विकास व्यवस्था |
| १७ | जीवान विकास व्यवस्था नाम— | २० | जूनून विकास व्यवस्था |
| १८ | जीवान विकास व्यवस्था नाम— | २१ | जूनून विकास व्यवस्था |
| १९ | जीवान विकास व्यवस्था नाम— | २२ | जूनून विकास व्यवस्था |
| २० | जीवान विकास व्यवस्था नाम— | २३ | जूनून विकास व्यवस्था |
| २१ | जीवान विकास व्यवस्था नाम— | २४ | जूनून विकास व्यवस्था |
| २२ | जीवान विकास व्यवस्था— | २५ | जूनून विकास व्यवस्था |
| २३ | जीवान विकास व्यवस्था— | २६ | जूनून विकास व्यवस्था |
| २४ | जीवान विकास व्यवस्था— | २७ | जूनून विकास व्यवस्था |
| २५ | जीवान विकास व्यवस्था— | २८ | जूनून विकास व्यवस्था |
| २६ | जीवान विकास व्यवस्था— | २९ | जूनून विकास व्यवस्था |
| २७ | जीवान विकास व्यवस्था— | ३० | जूनून विकास व्यवस्था |
| २८ | जीवान विकास व्यवस्था— | ३१ | जूनून विकास व्यवस्था |
| २९ | जीवान विकास व्यवस्था— | ३२ | जूनून विकास व्यवस्था |
| ३० | जीवान विकास व्यवस्था— | ३३ | जूनून विकास व्यवस्था |
| ३१ | जीवान विकास व्यवस्था— | ३४ | जूनून विकास व्यवस्था |
| ३२ | जीवान विकास व्यवस्था— | ३५ | जूनून विकास व्यवस्था |
| ३३ | जीवान विकास व्यवस्था— | ३६ | जूनून विकास व्यवस्था |
| ३४ | जीवान विकास व्यवस्था— | ३७ | जूनून विकास व्यवस्था |
| ३५ | जीवान विकास व्यवस्था— | ३८ | जूनून विकास व्यवस्था |
| ३६ | जीवान विकास व्यवस्था— | ३९ | जूनून विकास व्यवस्था |
| ३७ | जीवान विकास व्यवस्था— | ४० | जूनून विकास व्यवस्था |
| ३८ | जीवान विकास व्यवस्था— | ४१ | जूनून विकास व्यवस्था |
| ३९ | जीवान विकास व्यवस्था— | ४२ | जूनून विकास व्यवस्था |

অমলপ্রভা দাস : জীবন এষণা

ড° কবিতা গাঁথে





অসমীয়া প্রিয়া
উপন্যাসৰ বৃংঘবা
সম্পাদনা : স্নিধাৰাণী গঁগে

সম্পাদনা : মিঞ্চাবাণী গৈগে

ASOMIYA OITIHASIK UPONYASAR ROIGHORA :
collection of articles on Assamese Historical Novels edited by
Snigdha Rani Gogoi and published by Sodou Asom Lekhika
Somaroah Sumity on 29th Conference at Sivasagar. Price : 45/-

କଣ୍ଠମୀରୀ ଏଟିଜେସିନ୍ ଉପରୁଷାବ୍ଦ ବର୍ଷାବ୍ଦ
ମୁଣ୍ଡଳ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ପରେବାହେ ଯେତ୍ତି
୨୦୨୩ ବିବାହିତ ଶିଳ୍ପାବ୍ଦ ଅଧିକାରୀଙ୍କ
୧୫, ୧୫, ୧୫ ଅନ୍ତରେ, ୨୦୨୨

ପ୍ରସରକ :
ପ୍ରସରକ : ମୁଣ୍ଡଳ ଏଟିଜେସିନ୍ ମୁଣ୍ଡଳ ଯେତ୍ତି
ବର୍ଷାବ୍ଦ : ୧୯୮୦ ଟଙ୍କା
ପ୍ରସରକାରୀ ମୁଣ୍ଡଳ : ୫୦୦ ଟଙ୍କା

ପ୍ରକାଶ, ଅନୁଷ୍ଠାନ ନିମାନ୍ତ, ଅଲ୍ଲକୁଣ୍ଡନ, ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ବିଦ୍ୟା ଓ ବିଜ୍ଞାନ
ଶବ୍ଦଗୀତ ଏବଂ କଥାବିଲ୍ୟର ମାନ
ଶୁଣ୍ଡମ ୫ ଛିନ୍ଦ୍ଵାଟିଟ, ଚାନ୍ଦମୀପୁର୍, ପ୍ରଦୀପ୍ତାଳ୍-୫
ଫୋନ୍ ନଂ ୯୧୯୬୦୨୪୧୨୮୨୮
ISBN = 978-93-92666-00-1

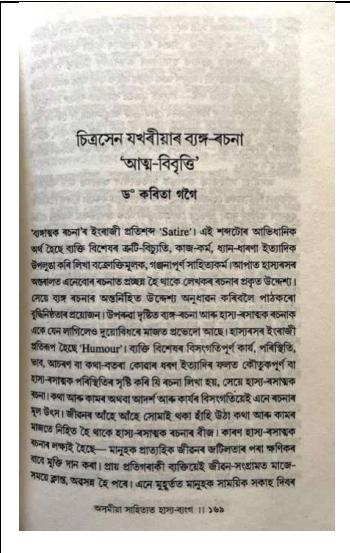
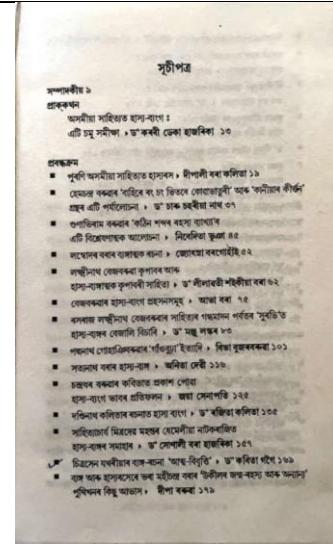
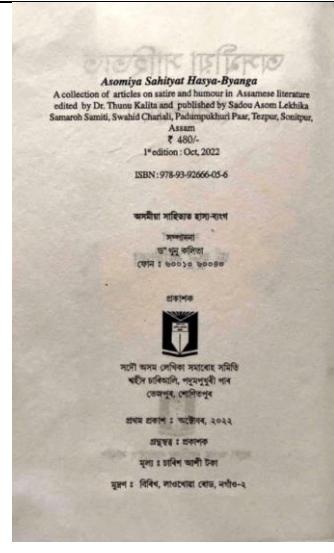
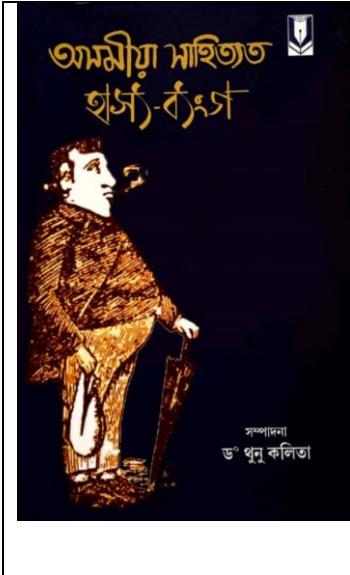
ISBN - 978-93-92000-00-1

সচী পত্র

অসমীয়া ইতিহাসিক উপন্যাসের বইয়ে

ବଜୁନୀକାନ୍ତ ବରଦିଲେର
ଐତିହାସିକ ଉପନ୍ୟାସ
‘ବାଧା-କଞ୍ଚିତ୍ତିଗୀ’ର ରଣ’

ড° কবিতা গঙ্গে



ଆଇତାବ ଚୋତାଲତ
ଜୋନାକର ଲୁକାଭାକୁ
(ଶିଶୁ ଉପଯୋଗୀ ଗ୍ରନ୍ଥ)

(শিশু উপযোগী গ্রন্থ)



প্রকাশক :

সদৌ অসম লেখিকা সমাৰোহ সমিতি

AITAR SOTALAT JONAKAR LUKABHAKU : SISU UPAJOGI GRANTHA: a collection of articles in Assamese based on biographical sketches of eminent child-literateur of Assam with the analysis of their few selected children's books, edited by Rekhika Phukan, Principal (Retd.), and published by Sadcu Asom Lekhak Somoroh, Sonitiri on the occasion of Sibsagar Adhibeshan held on October 2022 at Sibsagar.

First Edition : October, 2022
Price Rupees : Four hundred Fifty only

— 1 —

ପ୍ରଥମ ପ୍ରକାଶ : ଅକ୍ଟୋବର ୨୦୨୨

প্রকাশক : সন্দো অসম লেখিকা সম

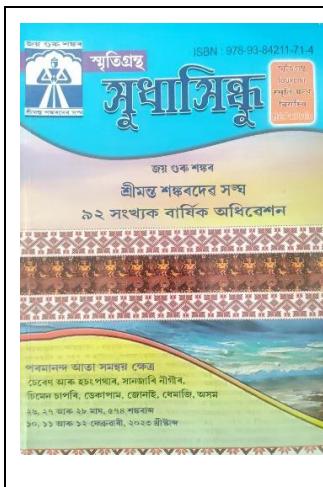
ISBN : 978-93-92

- | সম্পর্ক সূচিতের নথি : | |
|-----------------------------------|--|
| বেঙ্গলুরু | : শৈলশূন্ধা মীনোয়া বড়, শৈলশূন্ধা আতা বড় |
| সারকালু | : ১০ একর জমির অধিক |
| প্রদৰ প্রশংসনী | : ৩ একর পুরুষ |
| বৰকলু সুরি | : শৈলশূন্ধা মীনোয়া পুরুষ |
| সুমুর | : শৈলশূন্ধা মীনোয়া বড়, শৈলশূন্ধা মুখু পুরুষ
শৈলশূন্ধা মুখু মীনোয়া বড়, শৈলশূন্ধা মীনোয়া বড়
শৈলশূন্ধা মুখু মীনোয়া বড় |
| সম্পর্ক | : শৈলশূন্ধা বেঁচো পুরুষ |
| ১) সুনী অবস্থা পেছিয়ে সহজেই সুরি | |
| বেঙ্গলুরু | : পুরুষ পুরুষ |
| বেঙ্গলুরু | : প্রেমী প্রেমী এবং প্রেমী প্রেমী |
| বেঙ্গলুরু | : পুরুষ পুরুষ পুরুষ ১৫৫৫৫৫৫০০০ |
| মুখু | : অবস্থান পুরুষ, সুমুর, উত্তীর্ণ - ২ |
| বেঙ্গলুরু | : ১১২০০ টেক |
| নুনিপুরু প্রশংসনী | : ১০০০০০ টেক |

- **ମିଶ୍-ନେଟ୍‌ଵିତ୍ତ** ନିରାକାର ମିଶ୍ର ଅନୁମାନ
—ଶୀଘ୍ର ସମ୍ପଦ / ୨୧
- **ମିଶ୍-ନେଟ୍‌ବିତ୍ତ** କମ ମିଶ୍ରିତ କମ୍ପ୍ୟୁଟର ଉପରେ ଏହି ଆନ୍ଦୋଳନା
—ଶୀଘ୍ର ପ୍ରୋତ୍ସମ୍ଭବ ସମ୍ପଦ / ୨୨
- **ମିଶ୍-ନେଟ୍‌ବିତ୍ତ**—୨୯୧୯
—ଶୀଘ୍ର ଅଭିଭାବ / ୩୦
- **ମୁଁ ପ୍ରେରଣା କାଳୀ ସମ୍ପଦ ମିଶ୍-ନେଟ୍‌ବିତ୍ତ**
—ଶୀଘ୍ର ସମ୍ପଦ / ୨୦
- **ମିଶ୍-ନେଟ୍‌ବିତ୍ତ** ମନ୍ଦିର ମନ୍ଦିର ମିଶ୍-ନେଟ୍‌ବିତ୍ତ
—ମନ୍ଦିର ପ୍ରକାଶକ୍ତି / ୨୫
- **ମିଶ୍-ନେଟ୍‌ବିତ୍ତ** କିମ୍ବା କାଳୀ କାଳୀ ଉପରେ ଉପନ୍ୟାସ
—ଶୀଘ୍ର ମନ୍ଦିର / ୨୧
- **ମାନ୍ୟ ପ୍ରେରଣା କାଳୀ ମନ୍ଦିର ପ୍ରକାଶକ୍ତି**
—ଶୀଘ୍ର ମନ୍ଦିର ସମ୍ପଦ / ୧୦
- ✓ **ମିଶ୍-ନେଟ୍‌ବିତ୍ତ** ଲଭ୍ୟ ଉପନ୍ୟାସ ମୂଳ୍ୟ ମିଶ୍-ନେଟ୍‌ବିତ୍ତ
—ଶୀଘ୍ର ଗୋଟିଏ / ୨୫
- **ମିଶ୍-ନେଟ୍‌ବିତ୍ତ** ମନ୍ଦିର ପ୍ରକାଶକ୍ତି ବର୍ଷ
—ଶୀଘ୍ର ସମ୍ପଦ / ୦୦
- **ମିଶ୍-ନେଟ୍‌ବିତ୍ତ** ମନ୍ଦିର ମନ୍ଦିର ବର୍ଷ
—ଶୀଘ୍ର ସମ୍ପଦ / ୦୧
- **ତଥାପି ପ୍ରୋତ୍ସମ୍ଭବ ମିଶ୍-ନେଟ୍‌ବିତ୍ତ** ଏହି ଆନ୍ଦୋଳନା
—ଶୀଘ୍ର ସମ୍ପଦ / ୦୨

শিশু-সাহিত্যিক বন্দিতা যুক্তনব
দুখন শিশু উপন্যাস
কবিতা গাটেগ

স্বাধীনত করল শিশ-সাহিত্যক পরিষ্কৃতি প্রদান করা সার্বভৌমত্বকলন
চিকিৎসক বিদ্যা মুক্ত নিষিদ্ধেহে এটি উচ্চপূর্ণ নয়। আজস্বলে শিশ মনুষ্য
কেব করি শিশুমূল সর্ববেশনী, তিনি-বিটা, বর্ণিল গণতন্ত্রে যি অবগাহন
করিব জান, তেইরে শিশ-সাহিত্য সৃষ্টি করিব গো। শিশু অলঙ্কুরী,



Sudhanshu, A. (2019). Public perception of the right to information act in India. *Technological Forecasting and Social Change*, 190, 106-117. In press. 2019. *Parvanehda Asta Sampriti Shishu Sang*. *Huzur Sahib Ziarat Begum Seemai*, D-109, Sector 10, Chandigarh-160010. E-mail: Dr. Parvaneh Asta Sampriti Shishu Sang, Huzur Sahib Ziarat Begum Seemai, D-109, Sector 10, Chandigarh-160010. Tel: +91-9876543210. General Research Head-Chief Editor and Thakur S. Singh (Editor-in-Chief) and Dr. Kanchan Choudhary (Editor-in-Chief). ISSN: 978-938872624-2.

‘ବାସକ୍ରିଡ଼ା’ ର ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ତାତ୍ପର୍ୟ

❖ কো লিভেল গ্রন্থ